फैमिली ऑफ शिरड़ी सांई बाबा

ई–6, प्रथम मंजिल, बस्ती विकास केन्द्र, सुलानपुरी दिल्ली–110086

वार्षिक उत्सव–2023

दिनांक :– 14 सितम्बर–2023

वार्षिक उत्सव–2023 कार्यक्रम की रिपोर्ट

हमारे समाज में जो स्थान धार्मिक त्यौहारों का है वही स्थान हमारे जीवन में राष्ट्रीय त्यौहारों का है। उध्ययन के दौरान मनाया जाने वाला उत्सव संस्था का वार्षिक उत्सव है। यह संस्था की उन्नति और प्रगति का परिचायक है। शिक्षक और छात्र दोनों के लिए यह पर्व हर्ष और उल्लास का है।

हमारी संस्था का वार्षिक उत्सव संस्था की स्थापना दिवस 14 सितम्बर को मनाया जाता है। हालांकि कुछ संस्थाएं अपना वार्षिक उत्सव किसी पर्व या त्यौहार पर मानते है। हमारी संस्था का वार्षिक उत्सव हमेशा 14 सितम्बर को ही मनाया जाता है। इसकी तैयारी एक माह पूर्व से ही शुरू हो जाती है। जिन छात्रों को सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेना होता है उन्हें कई दिन पूर्व से ही अभ्यास शुरू करा दिया जाता है। कुछ अध्यापक और छात्र सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारी करते है तो कुछ केन्द्र को सजाने में लगते है। कुछ छात्र और अध्यापक अतिथियों को निमन्त्रण पत्र भेजने व अन्य तैयारियों मे लग जाते है। संस्था ने अपना वार्षिक उत्सव इस वर्ष भी बड़ी धूमधाम से मनाया। समारोह आरम्भ होने से पहले ही अतिथि पधार चुके थे। संस्था की अध्यक्षा महोदय जी पधारे ही समस्त छात्र हर्ष और उल्लास से तालिया बजाने लगे। अतिथि द्वारा असान ग्रहण करते ही समारोह आरम्भ हुआ। केन्द्र के छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। फिर उत्सव का मुख्य कार्यक्रम आरम्भ हुआ योग्य छात्रा/छात्राओं को प्रमाण पत्र दिये गये। बच्चों की तालियों से पुरा केन्द्र गुँज उठा। प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राएं अतिथि महोदय का अभिवादन करते और फिर उनके कर–कमलो से प्रमाण पत्र प्राप्त किये। इसके बाद मुख्य अतिथि ने छात्रों को अपना सन्देश और आशीर्वाद दिया। मुख्य अतिथि

महोदय ने संस्था की अध्यक्षा महोदय को यह कतहे हुए बधाई दी कि आपका केन्द्र तो प्रतिभा का खजाना है। इनके अलावा अन्य छात्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्र/छात्राओं व शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। इसके पश्चात् केन्द्र के हाल में प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ अतिथि महोदय का एक ग्रुप फोटो लिया गया। रंगारंग कार्यक्रम व प्रमाण पत्र बटने के बाद वार्षिक उत्सव सम्पन्न हो गया। इसके बाद जलपान की व्यवस्था की गई थी। बच्चों ने जलपान किया और अपने अपने घरों को लौट गये।

प्रोग्राम ऑफिसर

रंगारंग कार्यक्रम की कुछ झलकियां

रंगारंग कार्यक्रम की कुछ झलकियां